1977 को एक विशेष गाड़ी चलायी गयी थी। गोरखपुर से खलीलाबाद के लिए कोई विशेष गाड़ी नहीं चलाई गयी थी।

(ग) अतिरिक्त आय लगभग 1240 रुपए की थी।

रेलवे द्वारा गोरखपुर में संजय गांधी के स्वागत पर किया गया खर्च

371. **श्री हरिकेश बहादुर** : क्या रेल मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गोरखपुर स्थित रेलवे स्टेडियम में श्री संजय गांधी के स्वागत के लिए एक सभा आयोजित की गई थी ;

(ख) यदि हां, तो इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों के नाम क्या हैं और उनके विरुद्ध क्या कार्यवाही की जा रही है ; और

(ग) उक्त सभा के लिए रेलवे द्वारा रेलवे स्टेडियम में की गई तैयारी पर कितनी धनराशि खर्च की गई ?

रेल मंत्री (प्रो० मधु दंडवते) : (क) श्री संजय गांधी के स्वागत के लिए पूर्वोत्तर रेलवे ने किसी समारोह का आयोजन नही किया था। लेकिन, जब श्री संजय गांधी गोरखपुर आये थे, तब उत्तर प्रदेश के मुख्य मन्त्री तथा उनके साथ आये राज्य के अन्य मन्त्रियों के लिए जिला गोरखपुर के मजिस्ट्रेट के अनुरोध पर 2-1-1977 को रेलवे स्टेडियम उपलब्ध कराया गया था।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

(ग) रेलवे ने कोई खर्च नही किया। बिजली के खर्च या फीडर पावर पाइंट लगाने के लिए मजदूरों पर किए गए खर्च का 207.92 रुपये का बिल भुगतान के लिए 15-2-77 को उत्तर प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड गोरखपुर के कार्यकारी अभियन्ता (वितरण) को भेज दिया गया था।

गुजरात में नैरो गेज को मीटर गेज में और मीटर गेज को ब्राड गेज लाइन में बदलना

372. **श्री धर्म सिंह भाई पटेल** : क्या रेल मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गुजरात राज्य में नैरो गेज लाइन को मीटर गेज लाइन में और मीटर गेज लाइन को ब्राड गेज लाइन में बदलने के बारे में कितने अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं ; और

(ख) सरकार ने इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की है ?

रेल मंत्री (प्रो० मधु दंडवते) : (क) गुजरात राज्य की ओर से निम्नलिखित रेलवे लाइनों के आमान परिवर्तन के सम्बन्ध में अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं :—

(i) दिल्ली-अहमदाबाद मीटर लाइन को बड़ी लाइन में बदलना।

(ii) वीरमगाम से ओखा और पोरबन्दर तक मीटर लाइन को बड़ी लाइन में बदलना।

(iii) गांधीधाम से भुज तक मीटर लाइन को बड़ी लाइन में बदलना ;

(iv) नडियाद कपड़वंज छोटी लाइन को बड़ी लाइन में बदलना।

(v) छोटी उदैपुर-प्रतापनगर और छुछापुरा-तनखाला छोटी लाइन को बड़ी लाइन में बदलना।

(ख) वीरमगाम से पोरबन्दर और ओखा तक आमान परिवर्तन का काम पहले ही हो रहा है। दिल्ली अहमदाबाद मीटर लाइन को बड़ी लाइन में बदलने का काम 1977-78 के बजट में शामिल कर लिया गया है। नडियाद से कपड़वंच, गांधीधाम से भुज, छुछापुरा से टनखाला और छोटा उदैपुर से प्रतापनगर तक की